मिशन शिक्षण संवाद

काव्य मंजरी

वाद्य यंत्रों पर आधारित शैक्षिक कविताओं का संकलन

ध्वनि संसार

संकलनः- काव्य मंजरी टीम

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

ध्वनि संसार

01

बाँसुरी

बाँसुरी काष्ठ वाद्य-परिवार का,
अनुपम संगीत उपकरण है।
जो एक छिद्र के पार हवा के प्रवाह से,
करता ध्वनि उत्पन्न है।।

यह प्राकृतिक बाँस से बनती,
इसलिए बाँसुरी कहते हैं।
वास्तुदोष करे दूर इसे घर में,
पूजा में भी रखते हैं।।

सुमधुर स्वर में यह बजती,
भगवान कृष्ण ने भी खूब बजायी।
श्रीकृष्ण को बाँसुरी बजाते सुन,
मन्त्रमुग्ध पशु-पक्षी, गोपियाँ आयीं।।

तीन प्रकार की सात छेद की होती,
बाँसुरी को मुरली भी कहते।
अधरों पर रख बजायी कृष्ण ने,
इसलिए उन्हें मुरलीधर कहते।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
परि० संवि० पूर्व मा० वि०- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें।

9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

ध्वनि संसार

02

वीणा

वीणा में तारों का कम्पन,
होता है घड़े में गोलाकार।
रुद्रवीणा, विचित्र वीणा और,
एक तन्त्री वीणा होते प्रकार।।

वीणा भारत का वाद्य-यन्त्र,
है शास्त्रीय संगीत की पहचान।
स्वर, ध्वनियों के लिए प्रयुक्त,
प्राचीनतम वाद्य कहते सुजान।।

तत वाद्य-यन्त्र का उदाहरण,
माँ शारदे की शोभा वीणा।
ये वाद्य-यन्त्र पुरातन-नूतन है
नारद की शोभा है वीणा।।

मध्यकाल में हुई परिवर्तित,
समकक्ष हैं सितार एवं गिटार।
तन्त्रीवाद्यों की संरचना वीणा,
जिसमें होते हैं तार चार।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा,
बिसवाँ, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें।

9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

ध्वनि संसार

03

सितार

है यह अनोखा वाद्य यंत्र पाँच है जिसमें तार,
वीणा और तंदूरा से मिलकर बना सितार।
पारस और ईरान से जो भारत में ले आए,
अमीर खुसरो ने किया इसका आविष्कार।।

होता रहा प्रयोग इसका, जब गाते हैं गीत,
मीराबाई ने भी इसको, बना लिया था मीत।
कृष्ण भक्ति के पद व भजन गाती थी खूब,
देती थी सितार से उन्हें मधुर संगीत।।

भारतीय संगीत में इसका है बड़ा स्थान,
शास्त्रीय संगीत में इसका है योगदान।
तीन शैली सितार की हैं आज विकसित,
प्यारे बच्चों! इस बात को आज तुम लो जान।।

रचना- पूनम गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर
ब्लॉक धनीपुर
जनपद अलीगढ़

लायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें।

9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

ध्वनि संसार

04

तबला

एक प्रमुख वाद्य यंत्र,
संख्या में यह होते दो।
चमड़ा मढ़े मुख वाले,
लकड़ी से बने हुए हैं वो।।

गायन हो या फिर वादन,
या फिर नृत्य की कला।
संगत देने के लिए,
प्रयोग होता है तबला।।

तबले के दो भागों को,
कहते दायाँ और बायाँ।
हथेली और उंगलियों से,
इसको जाता है बजाया।।

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

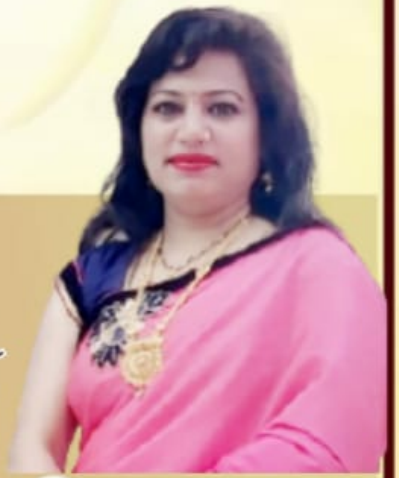

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

ध्वनि संसार

05

गिटार

एक लोकप्रिय वाद्ययन्त्र,
गिटार है उसका नाम।
छः तारों से मिलकर बनता,
ध्वनि निकालना उसका काम।।

दो श्रेणियों में है आता,
अकूस्टिक व इलेक्ट्रिक गिटार।
इलेक्ट्रिक गिटार को हम जानते,
प्यार से कहते बेस गिटार।।

गिटार बजाने,
काम में आती।
पिक छोटी,
गिटार पिक कहलाती।।

विश्व के प्रमुख,
वाद्ययन्त्र में गिनती।
मधुर ध्वनि है,
इससे मिलती।।

रचना

आयुषी अग्रवाल (स०अ०)
क० वि० शेखूपुर खास
कुन्दरकी (मुरादाबाद)

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें।

9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

ध्वनि संसार

06

ढोलक

ढोलक भारतीय वाद्य यंत्र है,
यह हाथ से बजायी जाती है।
मुख्य रूप से लोक संगीत या,
भक्ति संगीत को ताल देने के काम आती है।।

यह आम, बीजा, शीशम, सागौन,
या नीम की लकड़ी से बनायी जाती है।
लकड़ी को खोखला करके दोनों मुखों पर,
बकरे की खाल चढायी जाती है।।

बकरे की खाल के घेरे दोनों किनारों पर,
सूत या चमड़े की डोरियों से कसे रहते।
डोरी में दोनों ओर छल्ले रहते जो,
ढोलक का स्वर मिलाने के काम आते।।

होली के गीतों व महिला संगीत में,
इसका जमकर प्रयोग है होता।
यह प्रमुख ताल वाद्य है जो गायन व,
नृत्य के साथ बजाया जाता।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

ध्वनि संसार

07

ढोल

जब घर में खुशियां आती,
तब ढोल बजाए जातें हैं।
ढोल- नगाड़े बजा- बजा,
जश्न मनाएं जातें हैं।।

मांदर और झारखण्ड में,
ढोल बहुत लोकप्रिय हैं।
ढोल बजाने वाले लोग,
होते बड़े सक्रिय हैं।।

रंग- बिरंगे ढोल सजाकर,
छड़ियों से बजाया जाता।
लकड़ी और खाल से यह,
ढोल बनाया जाता।।

ढोल की आवाज सुन सब,
देखने को भागने लगते हैं।
ढोल की लय बद्ध ध्वनि,
सब लोग नाचने लगते हैं।।

रचना- शहनाज़ बानो (स० अ०)
पू० मा० वि० भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें।

9458278429

ध्वनि संसार

08

Play me like a Piano

Wind me up and watch me go,
Play me like a piano.
Touch and play every key,
Press down the ivory.

Take control, it isn't hard,
Tune each note, lay down the card.
Bend the noise and manipulate,
Take control and dominate.

A piano is just an instrument,
To be plunked one day after day.
A thing that makes music,
A thing which I had to play.

No matters what the world say's,
I have to fly to catch the sky.
Wind me up and watch me go,
Play me like a piano.

Composed by-
Neelam Bhaskar (A.T.)
U. P. S. Sisana
Baghpat, Baghpat

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

ध्वनि संसार

09

जलतरंग

आइए जानें क्या होता है जलतरंग?
यह है एक सुरीला, अनोखा वाद्ययंत्र।
यह मधुर ताल वाद्य भारतीय,
महाद्वीप से हुआ है उत्पन्न।।

इसमें कई तरह की कटोरियों में,
अलग-अलग मात्राओं मे जल भरते हैं।
15 से 20 कटोरी हो सकती हैं इस्तेमाल,
ये प्याले चीनी मिट्टी से बनते हैं।।

बेंत या छडी के सहारे कतार बद्ध,
प्यालों मे कम्पन किया जाता है।
फिर आलाप, स्वर , ताल या,
लय को उत्पन्न किया जाता है।।

पंचतत्वों का इसमें समन्वय है,
धरती, वायु, आकाश, अग्नि, जल का।
पर प्रचार, प्रसार न होने के कारण,
कम हो रही है इस यंत्र की साधना।।

रचना- ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें।

9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

ध्वनि संसार

10

हारमोनियम

आओ बच्चों तुम्हें एक जादुई,
बक्से के बारे में बताते हैं।
जिसे हम हारमोनियम और,
पेटीबाजा के नाम से जानते हैं।।

इसने यूरोप से पाकिस्तान और,
वहाँ से भारत तक सफर तय किया है।
अब पूरे भारत में कीज़ के स्वरों की,
मिठास पर अपना स्थान बना लिया है।।

यह हवा के दबाव वाली,
प्रणाली पर काम करता है।
फ्लैप को आगे-पीछे करने और,
कीज़ को दबाने से मधुर स्वर निकलता है।।

भारत में ये अक्सर हर तरह के,
संगीत में इस्तेमाल होता है।
सुनकर इसके सुर-लय-ताल,
सभी का मन हर्षित होता है।।

रचना
रीना कुमारी (शिक्षक संकुल)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

ध्वनि संसार

रचनाकारों की सूची

01 नैमिष शर्मा, मथुरा
02 शिखा वर्मा, सीतापुर
03 पूनम गुप्ता, अलीगढ़
04 हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
05 आयुषी अग्रवाल, मुरादाबाद
06 जितेन्द्र कुमार, बागपत
07 शहनाज़ बानो, चित्रकूट
08 नीलम भास्कर, बागपत
09 ज्योति सागर, बागपत
10 रीना कुमारी, बागपत

तकनीकी सहयोग
1 नाज़िया परवीन, मुरादाबाद
2 नमिता राजपूत, मुरादाबाद

मार्गदर्शनः- राज कुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन- मिशन शिक्षण संवाद